Chapter-2

बगुला भगत

STUDY NOTES

MIND MAP

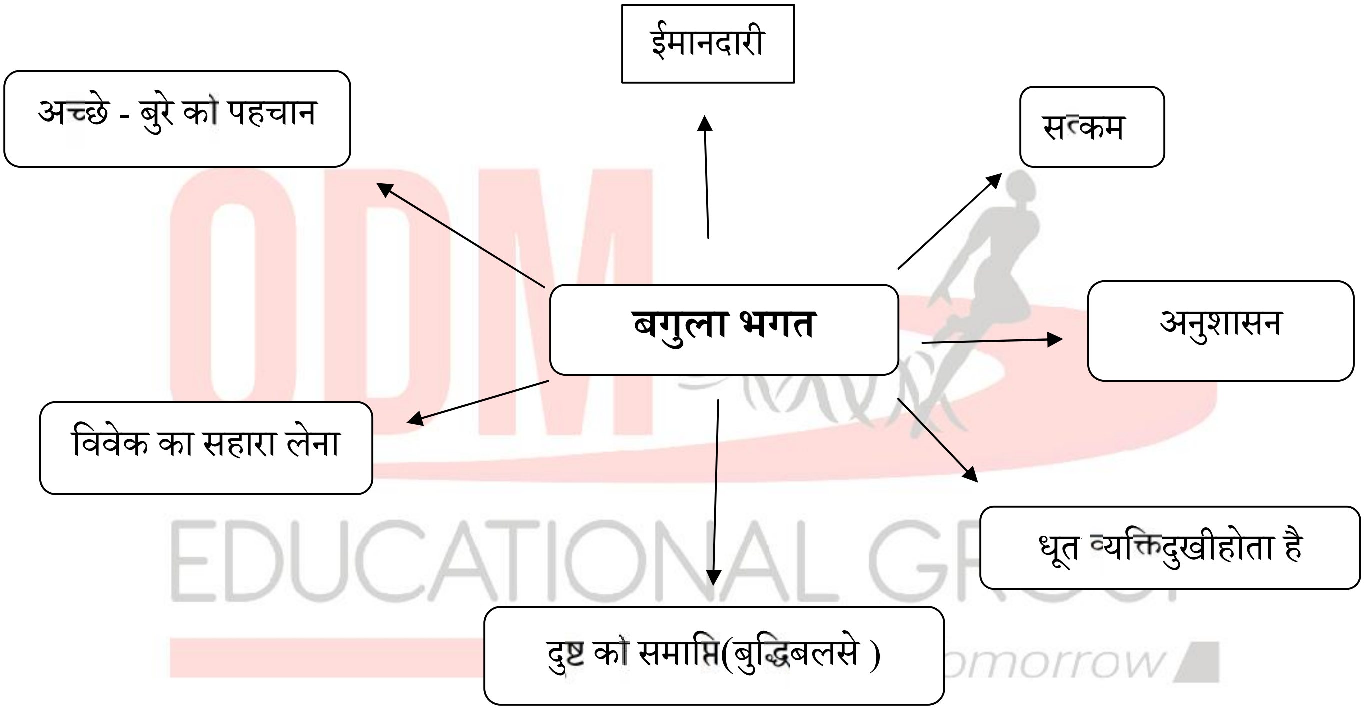

पाठ प्रवेश- ईमानदारी सफल व्यक्ति का आभूषण होती है। ईमानदारी व्यक्ति के लिए उसके सत्कम, उसके उसूल, उसको अनुशासन के प्रति निष्ठा ही उसके संस्कार होते ह। परंतु धूत व्यक्ति के लिए धूतपंती ही सब कुछ है, जैसे कुएं म रहने वाले मढक के लिए कुआं ही सब कुछ है। इसलिए धूत व्यक्ति से मित्रता न रखने म ही ईमानदार व्यक्ति को भलाई है।

सारांश- बगुला भगत एक लोक कथा है। इसम बगुला अपना स्वाथ पूरा करने के लिए तालाब सूखने से पहले मछलियों को दूसरे तालाब म सुरक्षित पहंचाने का ढोंग रचता है। बगुला अपनी चालाकी से मछलियों को ने तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। एक एक कर सभी मछलियां उसको बातों म आ जाती ह। अंत म एक केकड़ा बचता है।वह उसे भी अपना शिकार बनाना चाहता है, परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूत बगुले को भी मार देता है।दार व्यक्ति को भलाई है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow